लघु बचत योजनाओं पर ब्याज़ दरें

हाल ही में भारत सरकार ने अक्तूबर-दिसंबर 2022 के लिये कुछ **छोटी बचत योजनाओं** पर ब्याज़ दरों में वृद्धि की है।

- **2 वर्ष और 3 वर्ष की सावधि जमा, वरिष्ठ नागरिक बचत योजना और किसान विकास पत्र** के लिये दरों में मामूली वृद्धि की गई, जबकि अन्य योजनाओं की दरें अपरिवर्तित रहीं।

लघु बचत योजनाएँ:

- **परिचय:**
  - लघु बचत योजनाएँ केंद्र सरकार द्वारा प्रबंधित बचत साधनों का एक समूह है जिसका उद्देश्य **नागरिकों को उनकी ज़्यादा उम्र के बावजूद नियमित रूप से बचत करने के लिये प्रोत्साहित करना है।**
    - वे लोकप्रिय हैं क्योंकि वे न केवल बैंक सावधि जमा से अधिक रिटर्न प्रदान करते हैं बल्कि **सॉवरेन गारंटी और कर लाभ भी प्रदान करते हैं।**
  - विभिन्न लघु बचत योजनाओं के तहत प्राप्त सभी जमाराशियों को **राष्ट्रीय लघु बचत कोष** में जमा किया जाता है। **फंड में जमा पैसा केंद्र सरकार द्वारा अपने राजकोषीय घाटे को पूरा करने के लिये उपयोग किया जाता है।**
- **वर्गीकरण:**
  - **डाक जमा:**
    - बचत जमा, आवर्ती जमा तथा 1, 2, 3 और 5 साल की परिपक्वता के साथ टाइम डिपॉजिट एवं मासिक आय खाता।
  - **बचत प्रमाण पत्र:**
    - **राष्ट्रीय लघु बचत प्रमाणपत्र (NSC):**
      - अर्जित ब्याज को हर साल **स्वचालित रूप से योजना में पुन: निवेश** किया जाता है।
    - **किसान विकास पत्र (KVP):**
      - यह योजना सभी के लिये है जिसमे एक बार किये गए निवेश को 124 महीनों में दोगुना किया जाता है जो **वार्षिक 6.9% दर** के रिटर्न को दर्शाता है।
  - **सामाजिक सुरक्षा योजनाएँ:**
    - **लोक भविष्य निधि (PPF):**
      - पब्लिक प्रोविडेंट फंड (PPF) भारत सरकार द्वारा पेश की जाने वाली एक सेवानिवृत्त बचत योजना है जिसका उद्देश्य सभी को सेवानिवृत्त पश्चात एक सुरक्षित जीवन प्रदान करना है।
    - **सुकन्या समृद्धि खाता**:
      - यह योजना वर्ष 2015 में **बेटी बचाओ बेटी पढाओ अभियान** के तहत विशेष रूप से बालिकाओं के लिये लॉन्च की गई थी।
      - इसके तहत 10 साल से कम उम्र की बच्ची के नाम से खाता खोला जा सकता है।
      - यह योजना प्रतिवर्ष 7.6% की वापसी की गारंटी देती है और आयकर अधिनियम की धारा 80C के तहत कर लाभ के लिये पात्र है।
    - **वरिष्ठ नागरिक बचत योजना:**
      - 60 वर्ष से अधिक आयु का कोई भी वरिष्ठ नागरिक इसका लाभ ले सकता है।
- **दरों का निर्धारण:**
  - छोटी बचत योजनाओं पर ब्याज दरों का निर्धारण **समान परिपक्वता वाले बेंचमार्क सरकारी बॉण्डों के अनुरूप तिमाही आधार पर किया जाता है। वित्त मंत्रालय द्वारा समय-समय पर दरों की समीक्षा की जाती है।**
  - **लघु बचत योजना पर गठित श्यामला गोपीनाथ पैनल (वर्ष 2010) ने** छोटी बचत योजनाओं के लिये **बाज़ार-संबद्ध ब्याज दर प्रणाली का सुझाव दिया था।**

स्रोत: इंडियन एक्सप्रेस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/interest-rates-on-small-savings-schemes